



रीजि० नं० एल. डब्ल्यू./एन. पी. 569

लाइसेंस नं० डब्ल्यू पी०-49

लाइसेंस टू पोस्ट एंड कम्युनिकेशन रीजि

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग--1, खण्ड(क)
(उत्तर प्रदेश अधिनियम)

लखनऊ, शनिवार, 17 अगस्त, 1991

श्रावण 26, 1913 शक संवत्

उत्तर प्रदेश सरकार
विधायी अनुभाग-1

संख्या 1507/सवह-वि-1-1 (क)-16-1991

लखनऊ, 17 अगस्त, 1991

अधिसूचना
विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित उत्तर प्रदेश भारतीय चिकित्सा (संशोधन) विधेयक, 1991 पर दिनांक 17 अगस्त, 1991 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 22 सन् 1991 के रूप में सर्वसाधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश भारतीय चिकित्सा (संशोधन) अधिनियम, 1991

[उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 22 सन् 1991]

(जैसा उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित हुआ)

संयुक्त प्रान्त भारतीय चिकित्सा अधिनियम, 1939 का अग्रतर संशोधन करने के लिए

अधिनियम

भारत गणराज्य के ब्याप्तिसर्वे वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

1-(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश भारतीय चिकित्सा (संशोधन) अधिनियम, संक्षिप्त नाम और 1991 कहा जायगा।

(2) धारा 2, दिनांक 28 अगस्त, 1990 को प्रवृत्त हुयी समझी जायेगी और शेष उपबन्ध तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

संयुक्त प्रान्त
अधिनियम
संख्या 10 सन्
1939 में नहीं
धारा 10-क का
बढ़ाया जाना

2-संयुक्त प्रान्त भारतीय चिकित्सा अधिनियम, 1939 की, जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है, धारा 10 के पश्चात् निम्नलिखित धारा बढ़ा दी जायेगी, अर्थात्:-

"10-क (1) जहां किसी भी कारण से तत्समय बोर्ड के सदस्यों की संख्या घटकर धारा 18 में व्यवस्थित गणपूर्ति से कम हो जाय, वहां राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा, बोर्ड को अतिरिक्त कर सकती है और दो वर्ष से अनधिक ऐसी अवधि के लिए जैसी अधिसूचना में निर्दिष्ट की जाय या उपधारा (4) के अधीन अधिसूचना के दिनांक तक के लिये, जो भी पहले हो, नियंत्रक नियुक्त कर सकती है।

(2) उपधारा (1) के अधीन नियंत्रक की नियुक्ति होने पर-

(क) बोर्ड के समस्त सदस्य जिसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी सम्मिलित हैं, ऐसे सदस्य, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष नहीं रह जायेंगे;

(ख) धारा 17 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त सलाहकार समिति, यदि कोई हो, विघटित हो जायेगी;

(ग) निदेशक, आयुर्वेदिक और यूनानी सेवा, उत्तर प्रदेश को छोड़कर संकाय के समस्त सदस्य (जिसके अन्तर्गत चयरमन भी है) पदारुढ़ नहीं रहेंगे और नियंत्रक उपर्युक्त निदेशक के साथ संकाय गठित करेंगे;

(घ) बोर्ड, अध्यक्ष, और उपाध्यक्ष की सभी शक्तियां, कृत्य और कर्तव्य नियंत्रक में निहित होंगे और उनकी शक्तियों का प्रयोग, कृत्यों का सम्पादन और कर्तव्यों का निर्वहन नियंत्रक द्वारा किया जायेगा और अबसर के अनुसार जैसा अपेक्षित हो, नियंत्रक को बोर्ड, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष समझा जायेगा।

(3) नियंत्रक की नियुक्ति के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र, राज्य सरकार धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (1) और (2) के अधीन अध्यक्ष और अन्य सदस्यों को नामनिर्दिष्ट करने और उक्त उपधारा के खण्ड (3), (4), (5) और (6) के अधीन सदस्यों का निर्वाचन कराने के लिए कार्यवाही करेंगी।

(4) जैसे ही धारा 18 के अधीन गणपूर्ति के लिये अपेक्षित सदस्यों (अध्यक्ष सहित) की न्यूनतम संख्या की धारा 8 के अधीन यथास्थिति, चुनाव या नामांकन अधिसूचित कर दिया जाय, राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा, घोषणा कर सकती है कि बोर्ड का पुनर्गठन हो गया है और तदुपरान्त नियंत्रक काम करना बन्द कर देगा।"

निरसन और
अपवाद

3-(1) उत्तर प्रदेश भारतीय चिकित्सा (संशोधन) (द्वितीय) अध्यादेश, 1991 एतद्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा या उत्तर प्रदेश भारतीय चिकित्सा (संशोधन) अध्यादेश, 1990 द्वारा या उत्तर प्रदेश भारतीय चिकित्सा (संशोधन) अध्यादेश, 1991 द्वारा यथासंशोधित मूल अधिनियम के उपबन्धों के अधीन कृत कोई कार्य या कार्यवाही इस अधिनियम द्वारा यथासंशोधित मूल अधिनियम के तत्समान उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायेगी, मानो इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारवान समय पर प्रवृत्त थे।

आज्ञा से,
नारायण दास,
सचिव।

No. 1507 (2)/XVII-V-1-1 (KA)-16-1991

Dated Lucknow, August 17, 1991

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Bhartiya Chikitsa (Sanshodhan) Adhiniyam, 1991 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 22 of 1991) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by Governor on August 17, 1991 :

THE UTTAR PRADESH INDIAN MEDICINE (AMENDMENT) ACT, 1991

[U. P. Act No. 22 of 1991]

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature).

AN
ACT

to further amend the United Provinces Indian Medicine Act, 1939.

IT IS HEREBY enacted in the Forty-second Year of the Republic of India as follows:—

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Indian Medicine (Amendment) Act, 1991. Short title and commencement

(2) Section 2 shall be deemed to have come into force on August 28, 1990 and the remaining provisions shall come into force at once.

2. After section 10 of the United Provinces Indian Medicine Act, 1939, hereinafter referred to as the principal Act, the following section shall be inserted, namely:— Insertion of new section 10-A in U. P. Act no. 10 of 1939

"10-A. (1) Where the number of members of the Board for the time being is, for any reason whatsoever, reduced to less than the quorum provided in section 18, the State Government may, by notification, supersede the Board and appoint a Controller for such period not exceeding two years as may be specified in the notification or up to the date of notification under sub-section (4) whichever is earlier.

(2) Upon the appointment of the Controller under sub-section (1),—

(a) all members of the Board including the President and the Vice-President shall, cease to be such members, President or Vice President ;

(b) the advisory Committee, if any, appointed under sub-section (1) of section 17 shall stand dissolved ;

(c) all members (including the Chairman) of the Faculty, except the Director of Ayurvedic and Unani Services, Uttar Pradesh shall cease to hold office and the Controller, together with the aforesaid Director shall constitute the Faculty ;

(d) all powers, functions and duties of the Board, the President and the Vice-President shall be vested in and be exercised, performed and discharged by the Controller and the Controller shall be deemed to be the Board, the President or the Vice-President as the occasion may require.

(3) As soon as may be after the appointment of the Controller the State Government shall take steps to nominate a President and other members under clauses (1) and (2) of sub-section (1) of section 5 and to hold elections of members under clauses (3), (4), (5) and (6) of that sub-section.

(4) As soon as the elections or nominations, as the case may be, of atleast such number of members as is required under section 18 for the quorum (including the President) are notified under section 8, the State Government may by notification declare that the Board is reconstituted and thereupon the Controller shall cease to function."

Repeal and
Saving

3. (1) The Uttar Pradesh Indian Medicine (Amendment) (Second) Ordinance, 1991, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1) or by the Uttar Pradesh Indian Medicine (Amendment) Ordinance, 1990, or by the Uttar Pradesh Indian Medicine (Amendment) Ordinance, 1991, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

NARAYAN